NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH

aglasem.com

Class : 8th

Subject : वसंत

Chapter : 6

Chapter Name : भगवान के डाकिये

Q1 कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिये क्यों बताया हैं? स्पष्ट कीजिये|

Answer. कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिये इसलिए बताया हैं क्योंकि जिस तरह डाकिये सन्देश लाने का काम करते हैं, उसी तरह पक्षी और बादल भगवान का संदेश हम तक और एक देश से दूसरे देश तक पहुंचाने का काम करते हैं|

Page : 32, Block Name : कविता से

Q2 पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं? सोचकर लिखिए।

Answer. पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को केवल पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, नदियाँ व पहाड़ ही पढ़ सकते हैं।

Page : 32, Block Name : कविता से

Q3 किन पंक्तियों का भाव है-

(क) पक्षी और बादल प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश एक देश से दूसरे देश को भेजते हैं।

(ख) प्रकृति देश-देश में भेदभाव नहीं करती। एक देश से उठा बादल दूसरे देश में बरस जाता है।

Answer.

(क) पक्षी और बादल,

ये भगवान के डाकिए हैं,

जो एक महादेश से

दूसरे महादेश को जाते हैं।

हम तो समझ नहीं पाते हैं|

(ख) और एक देश का भाप

दूसरे देश में पानी

बनकर गिरता है।

aglasem.com

Page : 32, Block Name : कविता से

Q4 पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधें, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं ?

Answer. पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधें, पानी और पहाड़ एकता के संदेश को पढ़ते हैं| भगवान के इसी संदेश को मानते हुए नदियाँ सभी को समान भाव से जल प्रदान करती हैं| पहाड़ भी सभी के लिए समान रूप से खड़े रहते हैं| पेड़ पौधे भी समान रूप से सभी में अपनी सुगंध फैलाते हैं, कोई भेदभाव नहीं करते हैं|

Page : 32, Block Name : कविता से

Q5 ''एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है''-कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

Answer. एक देश की धरती अपनी जमीन में लगने वाले फूलों की खुशबू को हवा के माध्यम से दूसरे देश की धरती को भेजती हैं| पक्षी व बादल अपने साथ प्यार व सदभावना का संदेश लेकर जाते हैं|

Page : 32, Block Name : कविता से

Q1 पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?

Answer. पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम, सौहार्द और आपसी सद्भाव की दृष्टि से देख सकते हैं। यह हमें यहीं संदेश देते हैं|

Page : 32, Block Name : पाठ से आगे

Q2 आज विश्व में कहीं भी संवाद भेजने और पाने का एक बड़ा साधन इंटरनेट है। पक्षी और बादल की चिट्ठियों की तुलना इंटरनेट से करते हुए दस पंक्तियाँ लिखिए।

Answer. इंटरनेट एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक बात पहुँचाने का ही सरल तथा तेज माध्यम है। किन्तु पक्षी और बादल की चिट्ठियाँ हमें भगवान का सन्देश देते हैं। पक्षी और बादल प्रकृति के अनुसार काम करते हैं किंतु, इंटरनेट मनुष्य के अनुसार काम करता है। इंटरनेट संदेश भेजने का आज का आधुनिक माध्यम हैं जो मानव के तकनीक के क्षेत्र में विकास को दर्शाता है। पक्षी और बादल की चिट्ठियां समय से परे हैं। ये ईश्वर का संदेश हैं| इंटरनेट के माध्यम से हम विचारों का, कार्य का, सूचनाओं का आदान प्रदान तो कर सकते हैं पर एक सीमा तक लेकिन पक्षी और बादल की तो कोई सीमा नहीं|

Page : 32, Block Name : पाठ से आगे

Q3 'हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका' क्या हैं? इस विषय पर दस वाक्य लिखिए।

Answer. हमारे जीवन में डाकिए की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं |

- डाकिया' भारतीय सामाजिक जीवन की एक आधारभूत कड़ी है|
- डाकिया खाकी पैंट और खाकी कमीज़ पहने, कंधे पर खाकी झोला लटकाए एक व्यक्ति होता है।
- डाकिया हमें दूसरे स्थानों पर रहने वाले हमारे रिश्तेदारों व मित्रों से जोड़ने का भी काम करता है। क्योंकि वह उनके द्वारा भेजें गये संदेशों को हम तक पहुँचाता हैं|

aglasem.com

- डाकिये केवल पत्र बांटते ही नहीं, अशिक्षित ग़रीबों को उसे पढकर सुनाते भी हैं।
- ज़मीनी स्तर पर डाकिया ही डाक विभाग का वास्तविक प्रतिनिधि होता है।
- भारतीय समाज में डाकिया को सबसे सम्मान का दर्जा मिला है। सरकार और जनता के बीच संवाद की वह सबसे मजबूत कड़ी है।
- डाकिया कम वेतन पाकर भी अपना काम अत्यन्त परिश्रम और लगन के साथ सम्प्पन्न करता है।
- गर्मी, सर्दी और बरसात का सामना करते हुए वह समाज की सेवा करता है।
- जैसे-जैसे व्यक्तिगत एवं सामाजिक रिश्तों में आत्मीयता व भावनात्मकता कम होती गयी, वैसे-वैसे ही डाकिया का दृष्टिकोण भी भावनात्मक की बजाय व्यवसायिक होता गया।
- आज भी गांव में डाकिये को देवदूत के रूप में जाना जाता है।

Page : 32, Block Name : पाठ से आगे

Q9 डाकिया, इंटरनेट के वर्ल्ड वाइड वेब (डब्ल्यू. डब्ल्यू. डब्ल्यू. WWW) तथा पक्षी और बादल - इन तीनों संवादवाहकों के विषय में अपनी कल्पना से एक लेख तैयार कीजिए | लेख लिखने के लिए आप 'चिट्ठियों की अनूठी दुनिया' पाठ का सहयोग ले सकते हैं |

Answer. छात्र दोनों पाठ के आधार पर स्वयं लेख तैयार करें |

Page : 32, Block Name : अनुमान और कल्पना

aglasem.com